>

Title: Need to enhance the amount of pension for workers in unorganized sector.

**श्री ए.टी. नाना पाटील (जलगांव):** हमारे देश में ज्यादातर लोग निजी क्षेत्र में काम करते हैं और अपने जीवन के 35 से 40 साल वे निजी क्षेत्र में काम करके ही गुजारते हैं। इनमें किसी का वेतन 5 हजार होता है किसी का 20 हजार तथा किसी का 50 हजार भी होता है परन्तु इनमें ज्यादा प्रतिशत कम वेतन वालों का ही होता है। इस दौरान वे अपने सपनों को दबाकर अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं और इसके लिए कर्ज आदि भी लेते हैं।

35-40 वर्ष की नौकरी के बाद जो ई.पी.एफ. उनका जमा होता है,वह उनका एकमात्र सहारा होता है। सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे ऐसे हजारों परिवारों के, लाखों लोगों के लिए पारिवारिक पेंशन योजना चलायी जा रही है। किंतु ये पेंशन 400 रुपए से लेकर 2200 रुपए तक दी जाती है जोकि बहुत ही कम है। इस कमरतोड़ महंगाई में इतनी कम पेंशन देना इतने बड़े वर्ग के लोगों के साथ भारी अन्याय है। सरकार द्वारा 6500/- रुपए पर ही 8.33 प्रतिशत का जो फार्मूला रखा है वह न्यायपूर्ण नहीं है। इस पेंशन को कम से कम 5000/- रुपए तक किया जाना आवश्यक है।

उक्त संबंध में सरकार द्वारा जो पारिवारिक पेंशन योजना में सुधार के लिए समिति बनाई गई थी सरकार उस समिति की रिपोर्ट की जो भी सिफारिशें हों उसको शीघ्र लागू कर, उक्त पारिवारिक पेंशन कम से कम 5000/- रुपए का प्रावधान कर, देश के लाखों लोगों को इस महंगाई के युग में राहत प्रदान करे।